Fourteenth Loksabha

Session : 7
Date : 20-03-2006
Participants : Yadav Prof. Ram Gopal,Atwal Shri Charnjit Singh,Singh Shri Prabhunath,Acharia Shri Basudeb,Acharia Shri Basudeb,Yadav Shri Devendra Prasad

an>

Title : Reported move to sell the remaining 49% shares of BALCO at throwaway prices, incurring loss of Rs. 9000 crore to Government.

प्रो. राम गोपाल यादव (सम्भल) : उपाध्यक्ष महोदय, मैं एक ऐसा लोक महत्व का प्रश्न सदन में उठाने जा रहा हूं, जिस पर अगर रोक न लगाई गई तो देश और सरकार को लगभग 9000 करोड़ रुपये का घाटा होने वाला है। सब जानते हैं कि मार्च 2001 में एनडीए की सरकार ने बाल्को के 51 प्रतिशत शेयर्स का डिसइनवैस्टमैंट स्टरलाइट इंडिया लिमिटेड के पक्ष में किया था। अब जो बचे हुए 49 प्रतिशत शेयर्स हैं, जो लगभग 10,81,00,000 रुपये के हैं, इनको भी सरकार डिसइनवैस्ट करने जा रही है।

महोदय, इस वक्त बाल्को के शेयर की कीमत एक हजार रुपए है और इवेल्यूएटर ने शेयर की कीमत 77 रुपए इवेल्यूएट की है। सीधे-सीधे लगभग 9 हजार करोड़ रुपए का घोटाला होगा, अगर ऐसा होता है। दुखद बात यह है कि जो इवेल्यूएटर है, जो शुरू में पांच नाम थे, इंडिपेंडेंट इवेल्यूएटर उनमें से न हो कर, फाइनेंस मिनिस्टरी की तरफ से एसबीआई केपिटल का नाम दिया गया था। एसबीआई केपिटल ने स्वयं इवेल्यूएशन न करके एक कंपनी मैसर्स दलाल मोट डोनाल्ड द्वारा इवेल्यूएशन कराया। ये इवेल्यूएटर पहले वेदांता एल्यूमीनियम के लिए काम करता था, अब बाल्को के लिए काम कर रहा है। वेदांता एल्यूमीनियम इंग्लैंड की वह कंपनी है, जिसके बोर्ड आफ डायरेक्टर्स में हमारे फाइनेंस मिनिस्टर वित्त मंत्री बनने से एक दिन पहले तक शामिल थे, इसलिए संदेह की सुई वित्त मंत्रालय पर जाती है। इतना बड़ा घोटाला अब से पहले कभी नहीं हुआ होगा, अगर सरकार ने इस पर रोक लगाने की कोशिश नहीं की। प्रधानमंत्री के मंत्रालय ने भी इस पर नाराजगी जताई और प्रधानमंत्री जी ने भी कहा है कि इस बारे में जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए और जांच होनी चाहिए। लेकिन वित्त मंत्रालय बहुत जल्दी में है और कोढ़ियों के दाम इसे बेचने की कोशिश की जा रही है।

SHRI BASU DEB ACHARIA (BANKURA): Mr. Deputy-Speaker, Sir, I associate myself with the matter raised by Prof. Ram Gopal Yadav.

MR. DEPUTY-SPEAKER: All right. Your name will be associated.

… (*Interruptions*)

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव (झंझारपुर) : महोदय, यह बहुत गंभीर मामला है। जिस तरह बाल्को…(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय :श्री डी.पी. यादव, श्री अलोक कुमार मेहता और श्री राम कृपाल यादव को भी इससे संबद्ध कर लिया जाए।

…(व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: The names of Shri Basu Deb Acharia, Shri Devendra Prasad Yadav and Shri Ram Kripal Yadav will be associated.

… (*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Please do not show any paper.

… (*Interruptions*)

SHRI BASU DEB ACHARIA (BANKURA): Sir, the Government should make a statement on this issue. … (*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: You know very well that I cannot compel the Government to make a statement.

… (*Interruptions*)

SHRI BASU DEB ACHARIA (BANKURA): Sir, this is a very serious issue. You should direct the Government to respond. … (*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: It is not possible for me to compel the Government to make a statement on any subject.

… (*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Shri Rupchand Pal will make his submission now.

… (*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Nothing is going on record now.

(Interruptions) *

---

* Not Recorded

MR. DEPUTY-SPEAKER: Mr. Acharia, your own party Member is on his legs. Please take your seat.

… (*Interruptions*)

श्री प्रभुनाथ सिंह (महाराजगंज, बिहार) : महोदय, इतना गंभीर सवाल है और सरकार चुप बैठी हुई है।...(व्यवधान) हाउस में इतना महत्वपूर्ण सवाल उठाया गया है, सरकार को जवाब देना चाहिए।

उपाध्यक्ष महोदय : आप सभी का नाम संबद्ध कर लिया गया है।

श्री रूप चंद पाल।

SHRI RUPCHAND PAL (HOOGHLY): Mr. Deputy-Speaker, Sir, I want to raise another very serious matter. … (*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Mr. Acharia, Mr. Devendra Prasad Yadav, you are all very senior hon. Members of this House. You know very well that it is not possible for me to compel the Government to make a statement. Please take your seats.

Now, I request Shri Rupchand Pal to make his submission.

… (*Interruptions*)

SHRI BASU DEB ACHARIA : Sir, they should respond to it. They should convey the feelings of the House to the concerned Minister so that tomorrow he can make a statement because the House will adjourn tomorrow.… (*Interruptions*)

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : उपाध्यक्ष महोदय, यह बहुत महत्वपूर्ण और गम्भीर मसला है। इस पर गवर्नमेंट की ओर से किसी मंत्री को रेस्पाँड करना चाहिए। …(व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: I cannot say, please understand my position.

… (*Interruptions*)

SHRI BASU DEB ACHARIA : Sir, they should convey this to the Minister of Finance so that he can make a statement… (*Interruptions*)

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : उपाध्यक्ष महोदय, राट्रीय सम्पत्ति को धड़ल्ले से बेचा जा रहा है। इस पर सरकार की ओर से जबाव आना चाहिए। …(व्यवधान)

SHRI RUPCHAND PAL : Sir, I would like to draw the attention of this august House… (*Interruptions*)

श्री प्रभुनाथ सिंह : उपाध्यक्ष महोदय, सरकार के जो मंत्री यहां बैठे हैं, लगता है वे अपने को जिम्मेदार नहीं मान रहे हैं और इसीलिए कोई रेस्पाँस नहीं दे रहे हैं। अतः मेरा निवेदन है किसी जिम्मेदारी मंत्री को सदन में हाजिर होने के लिए कहा जाए क्योंकि इतने गम्भीर मुद्दे पर भी सरकार द्वारा किसी प्रकार का रेस्पांस नहीं दिया जा रहा है। इससे गम्भीर मुद्दा और क्या होगा जिस पर सरकार रेस्पाँड करेगी ? …(व्यवधान)

SHRI RUPCHAND PAL : Sir, you have called my name… (*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Nothing should be recorded except the submission of Shri Rupchand Pal.

(Interruptions) *